ओ राधा है छुपी तू कहाँ | By Naveen Acharya

राधे तेरी दीद में मैं भटकु यहाँ वहां
मैं यहाँ तन्हा तन्हा तुझे ढूंढू कहाँ कहाँ
तू बता दे ज़रा है छिपी तू कहाँ
ज़रा चाँद से मुखड़े को सामने तो ला
ओ राधा है छिपी तू कहाँ .....
ओ राधा ज़रा सामने आ.....
तेरी झलक से सावन बरसे
तेरे बिन ये कान्हा तरसे
यमुना किनारे बजाऊं बाँसुरिया
देखने को मेरा मन तरसे
राधे राधे राधे.....बरसाने वाले राधे
तू ढूंढना चाहे जिसे तेरे मन में है वो राधे

पत्ता पत्ता इस दुनिया का जाने मेरा नाम
तेरे नाम के साथ ही जुड़ा है मेरा नाम
तेरे बिन ओ श्याम मेरा कोई मतलब ही नहीं
इतनी प्यारी सूरत मैंने देखी कहीं नहीं
ओ आजा उसी पनघट पे मैं करू तेरा ही इंतज़ार
मन के सूने वन को आके फिर से तू महका जा
ओ राधा है छिपी तू कहाँ .....
ओ राधा ज़रा सामने आ.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%93-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%9b%e0%a5%81%e0%a4%aa%e0%a5%80-%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%95%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%81-by-naveen-acharya/